Royal Philatelic Society London

दी रोयल फीलाटेलीक सोसायटी लंदन के उद्देश का विवरण

दी रोयल फीलाटेलीक सोसायटी लंदन की स्थापना सन् १८६९ में दी फीलोटेलीक सोसायटी, लंदन के नाम से की गई। सोसायटी को Royal का दरज्जा मिला जब महाराजा सप्तम एडवर्ड ने यह विशेषाधिकार शब्द के प्रयोजन की अनुमती सन् १९०६ में दी, दस साल के बाद उनके पुत्र योर्कके ठाकुर संस्था के प्रमुख बने। ठाकुर १९१० में महाराजा पंचम ज्योर्ज नियुक्त हुए तत्पश्चात् संस्था के आश्रयदाता के रुप में कार्यरत रहें तथा सन् १९२४ में उन्होंने संस्था को अपने लेख एवं प्रकाशनो पर (ब्रीटीश) रोयल आर्म्स का उपयोग करने की अनुमती दी।

संस्था के सैद्धांतिक बींदु / हेतु / ध्येय

(१) आधुनिक एवं वैज्ञानिक तरीके से डाक टिकट संग्रह के शोख के आगे बढाना एवं प्रोत्साहित करना।

(२) संस्था के सदस्यों को अपने हेतु से ज्ञान करने के लिए मेलाप, संवाद / चर्चा, प्रवचन, पत्रव्यवहार तथा अन्य तरीकों से संशोधन, मुद्रण, प्रकाशन तथा लेखों का प्रयोजन, साप्ताहिक या मासिक, कीतावें, परीपत्र जैसे साहित्ययीक द्वारा ज्ञान संवर्धन कराना।

(३) युनाइटेड कींगडम तथा अन्य देशों में डाक टीकट प्रदर्शनी के दौरान संस्था अकेले अथवा तो स्थानीय संगठन के साथ संयुक्त रुप से यह शौख को प्रोत्साहित तथा सन्मानित करने के हेतु चंद्रको तथा खिताबों से पुरस्कृत करे।

(४) संस्था वाचनालय का निर्माण एवं निभाव करें और डाक टीकट का संग्रह करें जिसमें टीकटें, उसका चित्रण, उसकी पूर्व छपाई तथा उसके भिन्न नमूने तथा टीकटों से संबंधित साहित्य जैसी वस्तुओं जो संस्था के सैद्धांतिक बींदु से संलग्न हों।

हम शायद आदरणीय है हमें हमारी पारंगतता पर गर्व है, और हम बेहतरीन होने के लिए प्रयत्नशील है, पंरतु हम संकीर्ण नहीं है, और हम श्रीमंतो से लेकर, शुरुआती डाक टीकट संग्राहकोंका स्वागत करते है। आज हमारे सदस्यों की संख्या २३०० से ज्यादा है जिनमें से आधे से अधिक युनाइटेड कींगडम से बहार निवास करते हैं और इस प्रकार संस्था का विकास सक्रिय है।